B-3
L-12
Indian Society

09-12-2023

वैश्वीकरण का भारतीय संस्कृति पर प्रभाव

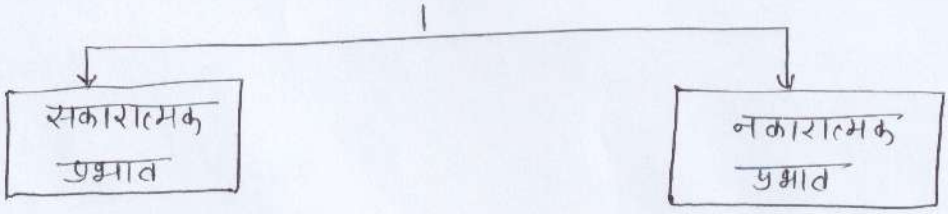

A. सकारात्मक प्रभाव

1. आधुनिक शिक्षा का प्रसार – आधुनिकता के मूल्य तथा तार्किक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रसार

⇩

फलतः भारतीय संस्कृति का तार्किकीकरण एवं भारत में आधुनिक समाज का निर्माण तीव्र।

2. संचार क्रांति एवं स्थानीय गतिशीलता में वृद्धि

⇩

फलतः एक नवीन संश्लेषित वैश्विक संस्कृति का निर्माण संभव हुआ।

3. संचार क्रांति तथा यातायात के साधनों का विकास एवं बाजार अर्थव्यवस्था द्वारा — स्थानीय संस्कृति एवं लोक परंपरा का सार्वभौमिकरण / भारतीयकरण

⇩

फलतः परंपरागत भारतीय संस्कृति / स्थानीय संस्कृति को नवीन पहचान प्राप्त — एवं सांस्कृतिक विविधता

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

को संरक्षण

4. वैश्वीकरण जनित पहचान संकट - परंपरागत सांस्कृतिक तत्वों के महत्व एवं प्रचलन में वृद्धि तथा इनका संरक्षण

⇩

फलतः लोक संस्कृति / क्षेत्रीय संस्कृति को संरक्षण - फलतः सांस्कृतिक विविधता को संरक्षण

B. नकारात्मक प्रभाव

1. संचार क्रांति - फलतः पश्चिमी जीवन शैली (पश्चिमी परिधान, पश्चिमी गीत-संगीत, पश्चिमी खान-पान की वस्तुयें, लिव-इन रिलेशनशिप) का प्रसार

⇩

फलतः परंपरागत भारतीय संस्कृति संकट में

2. संचार क्रांति एवं सांस्कृतिक समरूपता में वृद्धि

⇩

सांस्कृतिक विविधता को खतरा

3. बाजार अर्थव्यवस्था के प्रभाव में वृद्धि और भारतीय संस्कृति का बाजारीकरण

⇩

भारतीय संस्कृति का मूल स्वरूप नष्ट

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

4. वैश्वीकरण जनित पहचान का संकट - फलतः प्रतिक्रियात्मक चेतना का विकास और नृजातीयता में वृद्धि

⇩

फलतः सांस्कृतिक संघर्ष एवं नृजातीय संघर्ष में वृद्धि

5. बाजार अर्थव्यवस्था एवं उपभोक्तावादी संस्कृति का विकास

⇩

फलतः मास संस्कृति (Mass Culture) का विकास और इनका अंधानुकरण - फलतः विकृत एवं अलगाववादी मानव का निर्माण

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

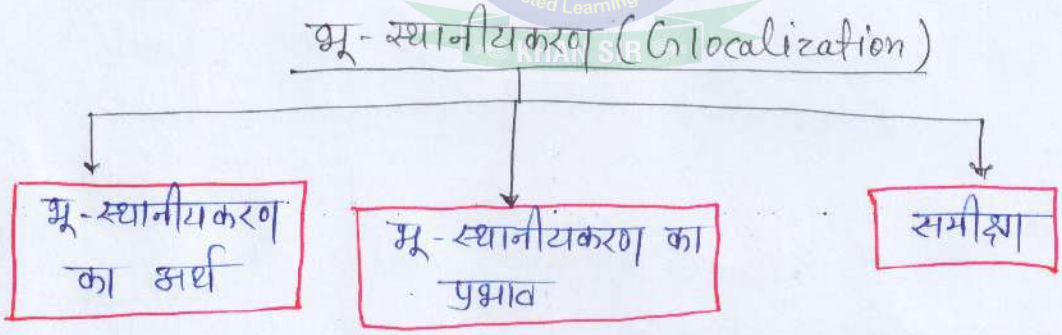

A. भूस्थानीयकरण का अर्थ- वैश्वीकरण की प्रक्रिया के पश्चात यह मान्यता विकसित हुई की यह प्रक्रिया दुनिया की स्थानीय संस्कृति को समाप्त कर देगी - किन्तु व्यवहार में कुछ

ऐसी प्रक्रियाऐं विकसित हुई जिन्होंने इन मान्यताओं को खारिज कर दिया और इन्ही प्रक्रियाओं में से एक है - भू-स्थानीयकरण।

भूमंडलीय के साथ स्थानीय संस्कृति के मिश्रण को भू-स्थानीयकरण की संज्ञा दी जाती है। आज वैश्विक कंपनियां अन्य देशों के साथ-साथ भारतीय बाज़ार में अपने उत्पादों को स्थानीय संस्कृति और स्थानीय ग्राहकों के पसंद-नापसंद के अनुरूप बनाकर बेचने का प्रयास कर रही हैं और उसी के अनुरूप अपने उत्पादों का निर्माण भी कर रही हैं। वहीं कुछ स्थानीय कंपनियां/भारतीय कंपनियां भी अपने उत्पादों को अन्य देशों की स्थानीय पसंद नापसंद के अनुरूप बनाकर विदेशों में बेच रही हैं।

जैसे मैकडोनॉल्ड का भारतीय व्यंजन को बेचना या नवरात्रि स्पेशल थाली या बर्गर आदि को बेचना; इंडि पोप, भांगड़ा पोप, रीमिक्स आदि का प्रचलन या एपल कंपनी द्वारा अपने आईफोन में भारतीय भाषाओं का प्रयोग आदि घटनायें भू-

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- स्थानीयकरण का श्रेष्ठतम उदाहरण है।

B. भू-स्थानीयकरण का प्रभाव-

1. इसने स्थानीय संस्कृति को संरक्षण देकर उन्हे नष्ट होने से बचाया है।
2. इसने वैश्वीकरण प्रेरित पहचान के संकट का समाधान प्रस्तुत किया है।
3. इसने एक संश्लेषित वैश्विक संस्कृति के निर्माण को संभव बनाया है।
4. इससे स्थानीय संस्कृति अपना मूल स्वरूप खोती जा रही है।

संभावित प्रश्न-

1. भू-स्थानीयकरण क्या है? यह बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा अपनाई गई व्यापार संबंधी रणनीति है या कोई सांस्कृतिक संश्लेषण की प्रक्रिया है? चर्चा कीजिये।

उत्तर-

Part-1: भू-स्थानीयकरण के अर्थ की चर्चा

Part-2: बहुराष्ट्रीय कंपनियों की व्यापार रणनीति या सांस्कृतिक संश्लेषण की प्रक्रिया-पर चर्चा

⇓

निश्चित रूप से बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा प्रारंभ

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

यह प्रक्रिया उनके व्यापार संबंधी रणनीति से प्रभावित है। नये व्यापार के अवसर और बड़े व्यापार की उपलब्धता हेतु विभिन्न तरीकों से अपने उत्पादों को भारतीय संस्कृति और यहां की मांग के अनुरूप बना कर बेचने में उनका आर्थिक हित सर्वोपरि है।

परंतु इसमें कोई दोराय नही है कि - इसमें सांस्कृतिक संश्लेषण की प्रक्रिया भी साथ-साथ चल रही है। आधुनिक मूल्य, तकनीकी शिक्षा, सूचना एवं संचार साधनों ने भारतीय लोगों के मानसिकता को प्रभावित करके उन्हें एक नवीन बदलाव की ओर प्रेरित किया है और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करने वाली पन-संस्था के माध्यम से विभिन्न देशों के मध्य सांस्कृतिक संश्लेषण की प्रक्रिया को तीव्र किया है और यह स्थिति भारत में भी दृष्टिगत हो रही है, जिससे परंपरागत भारतीय संस्कृति न केवल पुनर्जीवित हुई है बल्कि कुछ नवीन तत्वों के साथ संयुक्त होकर एक नये रूप में परिलक्षित हो रही है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR